

## **PRISM WORLD**

Std.: 9 (English) <u>Hindi</u> Marks: 20

Date: Time: 1 hour

Chapter: 1 to 5

प्र.

१

प्र.

१

विभाग १ - गद्य

परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

(8)

(8)

अब चिंता हुई कि बिल्ली से कैसे पीछा छुड़ाया जाए | मेरा नौकर बहुत होशियार है | रात को काम खत्म करके जाने से पहले उसने एक खाली बोरी के अंदर दो रोटियाँ दाल दीं और चुपके से एक तरफ खड़ा होकर बिल्ली का इंतजार करने लगा | बिल्ली आई | वह एकदम रोटियों पर झपटी | नौकर ने तुरंत बोरी का एक सिरा पकड़ कर उसे ऊपर से बंद कर दिया | रस्सी के साथ बोरी का मुँह बंद कर दिया गया | चूँिक अब रात के दस बजे थे, मैंने अपने नौकर अमरू से कहा कि "सबेरे बिल्ली को कहीं दुर छोड़ आए जिससे वह इस घर में वापस न आ सके ।"

सब लोगों को चाय पिलाते-पिलाते अमरू को अगले दिन आठ बज गए | मैंने याद दिलाया कि उसे बिल्ली को भूली भटियारिन की तरफ छोड़ कर आना है | बोरी कंधे पर लटका अमरू चल दिया | बात आई गई हो गई | मैं हजामत और स्नान आदि मे व्यस्त हो गया क्योंकि साढ़े नौ बजे दफ्तर जाना था | गुसलखाने मे मुझे ज़ोर का शोर सुनाई दिया | मैं नहाने में व्यस्त था और कुछ गुनगुना रहा था इसलिए मेरा ध्यान उधर नहीं गया | दो मिनट के बाद ही फिर शोर हुआ | इस बार मैंने सुना कि मेरे घर के सामने कोई आवाज लगा रहा है : 'आपका नौकर पकड़ लिया गया है | अगर आप उसे छुड़ाना चाहते है तो छप्परवाले कुएँ पर पहुंचिए |'

मै हैरान हुआ कि क्या बात है | समझा शायद अमरू से किसी साइकिलवाले का कुछ नुकसान हो गया हो और उसने अमरू को धर-पकड़ा हो | रही आदमी इकठ्ठे होने की बात, यह काम दिल्ली में मुश्किल नहीं और फिर करौल बाग में बहुत आसान है जहाँ सैकड़ो आदिमयों को पता नहीं कि वे किधर जाएँ और क्या करें ? खैर, उधर जा रहा था कि रास्ते में खाली बोरी लटकाए अमरू आता हुआ दिखाई दिया | वह खूब खिलखिलाकर हँस रहा था | उसे डाँटते हुए मैंने पूछा- "अरे क्या बात हुई ? तूने आज सुबह-ही-सुबह क्या गड़बड़ की जो इतना शोर मचा और मुहल्ले के लोग तुझे मारने को दौड़े ?"

1 A1)..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।

i. बिल्ली को पकड़ने का उपाय

ii. लेखक
व्यस्त हो
गए।

4

2

2)

२. साढ़े नौ	
A 3) ··	
 i.      निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए	
१. दास	
२. हानि	
ii. गद्यांश के आधार पर युग्म शब्द पूर्ण कीजिए।	
१. सुबह सुबह	
२ पकड़ा	
A	
4) "	
स्वमत. 'आज विश्वास की भावना समाप्त होती जा रही है' इस वाक्य पर अपने विचार 25 से 30 शब्द	ों में माष
कीजिए।	367 171
वेभाग १ - पद्य	
गरिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य)	
तार च्या वृक्त र या विरुद्धा विवास वायुरातर हुत्ताचा हुन का वाद्	
चार चार की चंचल कि भों	
चारु चन्द्र की चंचल किरणें खेल रही है जल _ थल मे।	
खेल रही है जल – थल मे।	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अवनि और अंबर तल मे।। Colours of your Dreams	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अवनि और अंबर तल मे।। Colours of your Dreams	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।। Colours of your Dreams पुलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से।	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।।  Colours of your Dreams  पुलक प्रगत करती है धरती हिरत तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।। Colours of your Dreams पुलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से।	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।।  Colours of your Dreams  पुलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी मंद पवन के झोँकों झोँ कों से।।  क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।। Colours of your Dreams  पुलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी मंद पवन के झोँकों झोँ कों से।।  क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह है क्या ही निस्त्बध निशा।	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।।  Colours of your Dreams  पुलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी मंद पवन के झोँकों झोँ कों से।।  क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह है क्या ही निस्त्बध निशा। है स्वच्छंद – सुमंद गंध वह	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।। Colours of your Dreams  पुलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी मंद पवन के झोँकों झोँ कों से।।  क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह है क्या ही निस्त्बध निशा।	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।।  Colours of your Dreams  Ugलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी मंद पवन के झोँकों झोँ कों से।।  क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह है क्या ही निस्त्बध निशा। है स्वच्छंद – सुमंद गंध वह निरानंद है कौन दिशा?	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।। Colours of your Dreams  पुलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी मंद पवन के झोँकों झोँ कों से।।  क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह है क्या ही निस्त्वध निशा। है स्वच्छंद – सुमंद गंध वह निरानंद है कौन दिशा?	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।।  Colours of your Dreams  Ugलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी मंद पवन के झोँकों झोँ कों से।।  क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह है क्या ही निस्त्बध निशा। है स्वच्छंद – सुमंद गंध वह निरानंद है कौन दिशा?	
खेल रही है जल – थल मे। स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अविन और अंबर तल मे।।  Colours of your Dreams  Ugलक प्रगत करती है धरती हरित तृणों की नोकों से। मानो झूमझू रहे है तरु भी मंद पवन के झौँकों झौँ कों से।।  क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह है क्या ही निस्तबध निशा। है स्वच्छंद – सुमंद गंध वह निरानंद है कौन दिशा?  बंद नहीं, हीं अब भी चलते है नियति नटी के कार्य-कलाप।	

	A2)	2
	निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए।	
	i. चाँदनी	
	ii. नियती	
	<b>A3)</b>	2
	भावार्थ लिखिए।	
	उपरोक्त पद्यांश में से अंतिम की आठ पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। (क्या ही स्वच्छ और चुपचाप।।)	
प्र. ३	भाषा अध्यन (व्याकरण)	
, प्र.	अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए	(1)
३ (१)		
( )	चाँटे की <u>आवाज</u> दूर तक गई।	
(२)	निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए	(1)
	बाहर आते ही वह संदेश दे देगी।	
(३)	सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए	(1)
	तुम्हें संसार से लड़ना होगा । (सामान्य वर्तमानकाल)	
	विभाग ४ - उपयोजित लेखन	
प्र.	वृत्तांत लेखन कीजिए	(3)
٧.	Colours of your Dreams	. ,
	निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर वृक्षारोपण समारोह पर वृत्तांत लिखिए	
	i. स्थान ii. तिथि समय iii. प्रमुख अतिथि iv. समारोह v. अतिथि संदेश vi. समापन	
1		